दैनिक भास्कर

इंजीनियरिंग कॉलेज | 'टेक्नोलॉजी ट्रेंड इन ऑप्टिकल कम्यूनिकेशन' पर वर्कशॉप शुरू

स्मार्ट गवर्नेंस के लिए ऑप्टिकल फाइबर जैसा स्मार्ट नेटवर्क जरूरी

एजुकेशन रिपोर्टर | भागलपुर

भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में सोमवार से 'टेक्नोलॉजी ट्रेंड इन ऑप्टिकल कम्यूनिकेशन' विषय पर दो दिवसीय वर्कशॉप की शुरुआत हुई। वर्कशॉप में कॉलेज के शिक्षक समेत आईआईटी पटना से जुड़े विशेषज्ञों ने छात्रों को ऑप्टिकल फाइबर के कारण दुनिया में आए बदलाव से रूबरू कराया। कार्यक्रम का उद्घाटन कमिश्नर अजय कुमार चौधरी, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. निर्मल कुमार समेत पटना आईआईटी से जुड़े वरीय शिक्षक प्रो. विजय कुमार, प्रो. सुमंतो गुप्ता, प्रो. नवीन निश्चल व डॉ. सौरव पांडेय ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कमिश्नर ने कहा कि बिना आईटी सिस्टम के मजबूत हुए देश में बेहतर शासन प्रशासन को लागू करना कठिन काम है। मैंने केंद्र, राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर ई-गवर्नेंस को लागू करने के एक बेहतर सिस्टम के साथ काम किया है।

बदल गई आईटी की दिशा और दशा

कई कम्प्यूटरों को एक साथ ऑनलाइन करने के लिए ऑप्टिकल फाइबर का महत्वपूर्ण योगदान है। विश्व को ग्लोबल विलेज में बदलने में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

सूचनाओं को प्रकाश की गति से संप्रेषित करना आसान हो गया है। मौके पर प्राचार्य डॉ. निर्मल कुमार ने कहा कि प्राचीन काल में सूचनाओं का संप्रेषण आग और धुंए का संकेत देकर व पक्षियों के माध्यम से होता रहा। उसके बाद ऊंची पहाड़ियों व दर्पण के प्रतिबिंब से भी संकेत एक जगह से दूसरे जगहों पर भेजा गया। उसके बाद तांबे और एल्युमिनियम वायर टेक्नोलॉजी का प्रयोग हुआ। वर्तमान समय में ऑप्टिकल फाइबर का प्रयोग ने आईटी की दिशा व दशा बदलकर रख दी। स्मार्ट गवर्नेंस के लिए ऑप्टिकल फाइबर जैसा स्मार्ट नेटवर्क जरूरी है।

इंजिनियरिंग कॉलेज में ऑप्टिकल फाइबर पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित छात्र व शिक्षक।

हर सेकेंड 4 हजार गीगा बाइट डाटा भेजना संभव

राज्य सरकार के प्रिंसिपल कंसल्टेंट एकेडमिक प्रो. विजय कुमार ने बताया कि ऑप्टिकल फाइबर का जाल पूरे विश्व में बिछ चुका है। इसके माध्यम से तेज गति की इंटरनेट सेवा लोगों को मिलने लगी है। बिहार राज्य में बिछे ऑप्टिकल फाइबर से फिलहाल फोर जी का स्पीड संभव है। गांव गांव में बिछ चुके फाइबर में शीशे के महीन 24 तार होते हैं। प्रो. सुमंतो गुप्ता, प्रो. नवीन निश्चल ने बताया कि एक तार से 4 हजार गीगा बाइट डाटा भेजना संभव हो चुका है। डॉ. सौरव पांडेय ने बताया कि ऑप्टिकल फाइबर की सहायता से आज टेलीकॉम के सभी टावरों को जोड़कर लोगों को वाइट व डाटा कनेक्शन दिये जा रहे हैं। इस मौके पर कॉलेज के शिक्षक डॉ. शशांक शेखर, डॉ. एमके झा, डॉ. पुष्पलता, प्रो. रंजन कुमार मिश्रा, प्रो. सीपी सिंह, प्रो. सीमा प्रसाद आदि थे।

विश्वविद्यालय के   फायदा उठाकर इस शहर में बड़ी संख्या

इंजीनियरिंग कॉलेज. फाइबर टेक्नोलॉजी पर वर्कशॉप आयोजित

आधुनिक संचार विधा को जानें छात्र

इंजीनियरिंग कॉलेज में सोमवार को दो दिवसीय ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी वर्कशॉप का उद्घाटन भागलपुर के प्रमंडलीय आयुक्त अजय कुमार चौधरी ने किया. श्री चौधरी ने छात्र-छात्राओं को संचार विधा को सीखने पर के लिए प्रेरित किया. इंजीनियरिंग कॉलेज के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहने की बात कही. कॉलेज में ऑडिटोरियम बनाने में भी पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया.

संवाददाता ▸ भागलपुर

कार्यशाला को विभिन्न आइआइटीयन ने भी संबोधित किया. उनका कहना था कि स्मार्ट सिटी में लोगों के स्मार्ट कनेक्टिविटी के लिए ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी आज की जरूरत बन गयी है. भागलपुर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए फोर्थ जेनरेशन वाई-फाई कनेक्टिविटी की जरूरत होगी. टेलीकॉम, मेडिकल संयत्रों, लाइट, ट्रैफिक लाइट आदि क्षेत्रों में ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी की उपयोगिता बढ़ गयी है. इसमें कैसे आगे डेवलपमेंट हो, इसकी बनावट किस प्रकार का हो और किस प्रकार बढ़ते डेटा डिमांड को पूरा किया जाये, इन सभी पहलुओं पर चर्चा जरूरी है. उद्घाटन समारोह में बीआइटी मेसरा के पूर्व कुलपति डॉ जनार्दन झा, साइंस एंड टेक्नोलॉजी विभाग बिहार के प्रो विजय कुमार, पटना आइआइटी के प्रो नवीन कुमार निश्चल, प्रो सुमंत सिंह व प्रो सौरभ कुमार पांडेय ने भी शिरकत की.

आग और धुआं से शुरू हुआ कम्यूनिकेशन सिस्टम : इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ निर्मल कुमार ने ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी के इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि इंफॉर्मेशन व कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी को मिलाकर ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी को बनाया गया है. सबसे पहले आग व धुआं से कम्यूनिकेशन की शुरुआत हुई. आज चौथे जेनरेशन की टेकनोलॉजी से लोग कम्यूनिकेट कर रहे हैं. भागलपुर स्मार्ट सिटी के लिए भी स्मार्ट कनेक्टीविटी की जरूरत होगी. यहां फोर जी वाई-फाई कनेक्टिविटी की जरूरत है.

ये भी थे उपस्थित : वर्कशॉप में इंजीनियरिंग कॉलेज के शिक्षक प्रो रंजन कुमार झा, प्रो शशांक शेखर, प्रो पुष्पलता व बड़ी संख्या में छात्र -छात्राओं के अलावे विभिन्न इंजीनियरिंग व राजकीय पॉलिटेक्निक के शिक्षक उपस्थित थे.

दो दिवसीय ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी वर्कशॉप का उद्घाटन

कार्यशाला में शामिल छात्र.

▪ फोटो | प्रभात खबर

- आइआइटी के प्रोफेसरों ने कार्यशाला में दी जानकारी : स्मार्ट सिटी में बढ़ेगी डेटा की मांग
- टेलीकम्युनिकेशन, टेलीमेडिसिन, मोबाइल, ट्रैफिक लाइट आदि कंट्रोल के लिए आवश्यक है तकनीकी
- फ्री स्टेज ऑप्टिज फाइब्रीस, लेजर बिम्ब का आदि के कंट्रोल व संचालन में उपयोगी है ऑप्टिकल फाइबर

ऑटोमेटाइज के लिए जरूरी है यह तकनीक

प्रो विजय कुमार ने बताया आज टेलीकॉम, मेडिकल संयत्र, इंटरनेट व वाई-फाई आदि तकनीक में ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है. आगे इसका किस तरह डेवलपमेंट हो, कैसी बनावट हो और किस तरह डेटा का ट्रांसफर हो आदि पर विचार करने की जरूरत है. हमारे यहां गड्ढे खोदकर ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग हो रहा है, जबकि विदेशों में फ्री स्टेज ऑटियाइज फाइबर्स, टॉल फ्री लेजर बिंब आदि का उपयोग हो रहा है. स्मार्ट सिटी में लाइट, लाइट ट्रैफिक, एक बड़े बिल्डिंग से दूसरे बड़े बिल्डिंग तक किस तरह लेजर बिंब के माध्यम से कम्यूनिकेट किया जाये, इसकी जरूरत होगी. इसके लिए डेटा की डिमांड बढ़ेगी. इस डेटा को केयर टेक करने के लिए ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी की जरूरत होगी.

लाइट सिगनल में होता है उपयोग

आइआइटी पटना से आये प्रो नवीन निश्चल ने ऑप्टिकल फाइबर की संरचना के बारे में बताया. उन्होंने बताया कि यह सिल्कॉन, गलीनियम व आर्सेनिक आदि तत्वों से बना होता है. ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी का लाइट सिगनल के रिलेशन, रिफलेक्शन, डिस्टिंक्शन व ट्रांसमिशन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी. वहीं प्रो सुमंत गुप्ता ने ऑप्टीकल टेक्नोलॉजी शुरू से आज तक की स्थिति और आगे किस तरह की इस क्षेत्र में तकनीकि विकसित होगी, इस पर विस्तार से जानकारी दी.

अनुवाद से दूसरी भाषाओं के साहित्य से परिचय

एमबीए की कक्षाएं शुरू

भागलपुर .टीएमबीयू के एमबीए विभाग के सत्र 2016-18 के प्रथम सेमेस्टर और सत्र 2015-17 के तृतीय

ऑप्टिकल डिजाइनिंग व सुरक्षा का रखना होगा ख्याल

संवाददाता, भागलपुर

इंजीनियरिंग कॉलेज में टेक्नोलॉजी ट्रेंड इन ऑप्टिकल कम्यूनिकेशन विषय पर चल रहे दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन विशेषज्ञों ने ऑप्टिकल फाइबर डिजाइनिंग, ऑप्टिकल एम्प्लीफायर, ऑप्टिकल सुरक्षा आदि विषयों की विस्तार से जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कैसे लाइट वेब ट्रांसमिशन, रिसीवर व एम्प्लीफायर काम करता है. कार्यशाला में रिलायंस कंपनी के जियो ऑप्टिकल के पदाधिकारियों ने प्रजेंटेशन दिया. शिक्षकों व छात्र छात्राओं ने अन्य क्षेत्रों जैसे मैकेनिकल, इलेक्ट्रीकल आदि में भी कार्यशाला कराने की आवश्यकता जतायी. अंत में कार्यशाला में शामिल होने वाले सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरण किया गया. प्राचार्य डॉ निर्मल कुमार ने सभी आगत तकनीकी विशेषज्ञों, शिक्षकों व छात्र-छात्राओं को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कॉलेज आने वाले समय में इस तरह के और कार्यशाला का आयोजन करेगा.

वर्कशॉप में आइआइटी पटना के डॉ सुमंत ने ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी के डिजाइन पर विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि लाइट वेब को कैसे सिगनल में कनवर्ट कर उसे ऑप्टिकल फाइबर से भेजा जा सकता है. प्रो एसके पांडेय ने लाइट वेब ट्रांसमिशन, रिसीवर व एम्प्लीफायर पर व्याख्यान दिया. उन्होंने बताया कि किस तरह दो ऑप्टिकल फाइबर को कपलिंग किया जाता और इसकी कहां-कहां जरूरत होती है. डॉ नवीन निश्चल ने ऑप्टिकल सिक्युरिटी पर विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी में ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी के बेहतर उपयोग के लिए ऑप्टिकल सिक्युरिटी पर भी ध्यान देना जरूरी है. कैसे विभिन्न तरह के इमेज व डेटा को कोडिंग किया जाये, ताकि इसे कोई डिकोडिंग नहीं कर सके. विज्ञान व प्रोवैधिकी विभाग के कंसल्टेंट प्रो डॉ विजय कुमार ने बताया कि ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एकेडमिक स्तर पर भी बहुत करने की जरूरत है. कार्यशाला का नेतृत्व कर रहे इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रो रंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि आज ऑप्टिकल फाइबर टेक्नोलॉजी का मात्र एक प्रतिशत ही उपयोग किया जा रहा है, 99 प्रतिशत टेक्नोलॉजी से अभी भी हमलोग वंचित है. भागलपुर स्मार्ट सिटी में ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जायेगा, इसलिए इसकी जानकारी जरूरी है. कार्यशाला में प्रो शशांक शेखर, प्रो एमके झा, डॉ पुष्पलता, प्रो रंजना झा, प्रो आसिफ मोइज, डॉ आरके चौधरी आदि उपस्थित थे.

केत्तर

अध्यक्ष

कारियों
केास का
देया भरोसा

धान सहायक मु
को दी गई। सह
कुमार ठाकुर एवं
नाया गया। संगठन
रसिंह, पवन कुमार
एवं बिंदेश्वरी यादव
कारिणी सदस्य में
एवं राजेश लाल को
न के पुनर्गठन की
कुलपति सहित
एवं थानाध्यक्ष को

'बेहतर प्रशासन के लिए आइटी सिस्टम जरूरी'

- आप्टिकल फाइबर पर दो दिवसीय कार्यशाला प्रारंभ
- छात्रों ने सीखी आप्टिकल फाइबर की महत्ता
- वैश्विक स्तर पर आइटी के क्षेत्र में बदलाव की वैज्ञानिकों ने दी जानकारी
- सूचनाओं को प्रकाश की गति से संप्रेषित करना हुआ आसान
- छात्रों को वैश्विक बदलाव के बारे में बताया गया

जागरण संवाददाता, भागलपुर : देश में बेहतर शासन-प्रशासन के लिए आइटी सिस्टम का मजबूत होना समय की मांग है। कई कम्प्यूटर सिस्टम को एक साथ ऑन लाइन करने में आप्टिकल फाइबर का महत्वपूर्ण स्थान है। आईटी के माध्यम से ही केंद्र से लेकर पंचायतों तक ई-गवर्नेंस संभव है।

उक्त बातें सोमवार को भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज में टेक्नोलॉजी ट्रेंड इन आप्टिकल कम्यूनिकेशन विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए बतौर मुख्य अतिथि प्रमंडलीय आयुक्त अजय कुमार चौधरी ने कही। उन्होंने कहा विश्व को ग्लोबल विलेज में बदलने में आईटी सिस्टम का महत्वपूर्ण योगदान है। यही कारण है कि आज हम सूचनाओं को प्रकाश की गति से संप्रेषित करना आसान हो गया है। प्राचार्य डॉ. निर्मल कुमार ने सूचनाओं के संप्रेषण की पुरानी पद्धति की याद ताजा करते हुए कहा कि पूर्व में लोग सूचनाओं की जानकारी आग व धुंओं का संकेत देकर व चिडिया के माध्यम से होता था। धीरे-धीरे तांबे व एल्यूमिनियम वायर टेक्नोलॉजी का प्रयोग हुआ। वर्तमान समय में आप्टिकल फाइबर के प्रयोग ने आईटी की दिशा दशा बदल डाली है। इसके पूर्व कार्यशाला में शिक्षक समेत आइआइटी पटना से आए विशेषज्ञों ने छात्रों को आप्टिकल फाइबर से वैश्विक स्तर पर आए बदलाव से रुबरू कराया।

प्रारंभ में कार्यशाला का शुभारंभ आयुक्त एवं प्राचार्य के अलावा पटना आइआइटी के वरीय शिक्षक प्रो. विजय कुमार, प्रो. सुमंतो गुप्ता, प्रो. नवीन निश्छल एवं डॉ. सौरभ पांडेय ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

PLACEMENT ASSISTANCE
ASSURED INTERNSHIPS
MERIT SCHOLORSHIPS
JIMMC